Shri Jain P G College, Bikaner

श्री जैन (पी.जी.) कॉलेज, बीकानेर

A-232

B.A. (Part-II) Examination, 2018

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न-पत्र

(रीतिकालीन काव्य)

समयावधि : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 100

इकाई – I

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर सीमा 200 शब्द) :

(अ) बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय।
सौंह करैं भौंहनि हँसैं, दैन कहै नटि जाय।।
या अनुरागी चित्त की, गति समुझे नहिं कोय।
ज्यों-ज्यों बूड़ै स्याम रंग, त्यों-त्यों उज्जल होय।।
तौ लगि या मन सदन में, हरि आवैं किंहि बाट।
बिकट जटै जो लगु निपट, खुलें न कपट-कपाट।। [8]

अथवा

सिन्धु तर्‌यौ उनको बनरा, तुमपै धनुरेख गई न तरी।
वानर बाँधत सो न बन्ध्यो, उन वारिधि बाँधि के बाट करी।
श्री रघुनाथ प्रताप की बात, तुम्हें दसकण्ठ न जानि परी।
तेलह, तूलहु पूँछि जरी न जरी, जरी लंक जराइ-जरी।। [8]

CamScanner

(ब) महाकवि देव की काव्यगत विशेषताएँ बताइये।
(उत्तर सीमा–400 शब्द) [12]

अथवा

"बिहारी के काव्य में शृंगार, भक्ति व नीति की त्रिवेणी प्रवाहित हुई है।" इस कथन के आलोक में युक्ति युक्त उत्तर दीजिए। [12]

(स) केशव द्वारा वर्णित सरस्वती वन्दना का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए। (उत्तर सीमा–100 शब्द) [4]

अथवा

बिहारी द्वारा रचित वियोग शृंगार के दो दोहों का भावार्थ अपने शब्दों में वर्णित कीजिए। [4]

इकाई – II

2. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (उत्तर सीमा 200 शब्द)

(अ) भूख लगे तब देत है भोजन, प्यास लगै तो पियावन पाने।
त्यों 'पद्माकर' पीर हरै को, सुबीर बड़े बिरदैत बखाने।
है हम ही में हमारौ महाप्रभु, राम इतै पै न मैं पहिचाने।
जैसे विचित्र सुपत्रन में लिखे, बेद न भेद न पुस्तक जाने। [8]

अथवा

वेद राखे बिदित पुरान परसिद्ध राखे,
राम नाम राख्यौ अति रसना सुधर में।
हिन्दुन की चोटी, रोटी राखी है सिपहिन की,
कांचे पै जनेऊ राखी, माला राखी गर में।
मीड़ि राखे मुगल, मरोड़ि राखे पातसाह,
बैरी पीसि राखे, बरदान राख्यो कर में
राजन की हद्द राखी तेगबल सिवराज,
देव राखे देवल, स्वधर्म राख्यो घर में। [8]

(ब) "भूषण" वीर रस के अप्रतिम कवि हैं।" इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए। (उत्तर सीमा 400 शब्द) [12]

अथवा

सेनापति की प्रकृति चित्रण को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। [12]

(स) पद्माकर काव्य में आए भक्ति भाव को समझाइये।
(उत्तर सीमा 100 शब्द) [4]

अथवा

भूषण की राष्ट्रीय भावना को संक्षेप में समझाइये। [4]

इकाई - III

3. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
(उत्तर सीमा 200 शब्द)

(अ) अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चलैं तजि आपुनपौ, झिझके कपटी जे निसाँक नहीं।
घन आनन्द प्यारे सुजान सुनो, इत एक ते दूसरो आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हो लला, मन लैहु पै देहु छटाँक नहीं। [8]

अथवा

घटा गुरु आसोज की, स्वाति बूँद सत बेन।
सीप सुरति सरधा सहित, तहँ मुकता मन ऐन।
सेवक कुंभ कुंभार गुरु, घड़ि घड़ि काढ़े खोट।
रज्जब माँहि सहाय करि, तब बाहिर दे चोट।
औगुण ढाकै और के, अपने औगुण नाहिं।
रज्जब अज्जब आतमा, निरबैरी जगमाँहि। [8]

(ब) 'रज्जब' की भक्ति भांवना को सोदाहरण समझाइये।
(उत्तर सीमा 400 शब्द) [12]

अथवा

"घनानन्द प्रेम की पीर के कवि थे" इस कथन की विवेचना कीजिए। [12]

CamScanner

(स) गिरधर कविराय की कुण्डलिया में व्यक्त नीति भाव को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 100 शब्द) [4]

अथवा

'रज्जब' द्वारा वर्णित गुरु महिमा को अपने शब्दों में समझाइये। [4]

इकाई - IV

4. (अ) रीतिकाल की सामान्य विशेषताएँ बताइये। (उत्तर सीमा 400 शब्द) [10]

अथवा

रीतिबद्ध काव्यधारा की विशेषताएँ बताइये। [4]

(ब) रीति मुक्त कवियों का नामोल्लेख करते हुए उनकी काव्यगत विशेषताएँ संक्षेप में बताइये। (उत्तर सीमा 100 शब्द) [4]

अथवा

रीतिकाल के नामकरण पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। [4]

इकाई - V

5. (अ) भारतीय काव्यशास्त्र के अनुसार काव्य प्रयोजनों का विवेचन कीजिए। (उत्तर सीमा 400 शब्द) [10]

अथवा

रीति काव्य शास्त्र के अनुसार नायिका के लक्षण-भेदों को समझाकर लिखिए। [10]

(ब) दोहा और चौपाई छन्द के लक्षण और उदाहरण दीजिए। (उत्तर सीमा 100 शब्द) [4]

अथवा

मालिनी और कवित्त छन्द के लक्षण उदाहरण सहित समझाइये। [4]

CamScanner

No. of Pages – 4

श्री जैन (पी.जी.) कॉलेज, बीकानेर

A-236

B.A. (Part-II) Examination, 2018

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न-पत्र

(नाटक एवं एकांकी)

Time allowed : Three hours

Maximum Marks : 100

1. (क) निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(उत्तर सीमा 200 शब्द)

तुम सौभाग्यशाली हो कुन्ती कि तुम्हें यह स्वतन्त्रता मिली। इसलिए तुम्हारा हर पुत्र अपने में पूर्ण है। लेकिन कितनी स्त्रियों को मिलता है यह सौभाग्य ? अनचाहा समर्पण कितना पीड़ादायक है, यह कौन जानता है ? बीज में ही पीड़ा हो तो फल सुखद कैसे होगा ? पारिवारिक तनाव, सामाजिक संघर्ष सब इसी के परिणाम हैं, अधिकांशतः। [8]

अथवा

मैं कौन होती हूँ रोकने वाली ? मेरे कहने से नहीं जाओगे– पर जाने का मन तो है ही तुम्हारा। इसलिए तुम्हें जाना चाहिए। वही उचित है तुम्हारे लिए। उस वंश से बँधे हो तुम। कुन्ती भी जायेगी ही, यह भी बँधी है करुओं से। इसके पुत्र कुरु न माने जायें चाहे–पाण्डु तो थे ही। मैं जानती हूँ जायेगी यह। महाराज पाण्डु की स्मृति अलग नहीं होने देगी इस कुरुवंश से। [8]

(ख) 'हस्तिनापुर' नाटक के सबसे प्रमुख नारी पात्र की चारित्रिक विशेषताएँ लिखें। (उत्तर सीमा 400 शब्द) [10]

अथवा

'हस्तिनापुर' नाटक की अभिनेयता पर प्रकाश डालिए। [10]

(ग) सत्यवती ने अम्बिका को बड़ी ही चतुराई से नियोग के लिए राजी किया था, कैसे ? समझाइये। (उत्तर सीमा 400 शब्द) [3]

अथवा

शुभा पाण्डवों को कुरूवंशी क्यों नहीं मानती थी ? [3]

2. (क) निम्नांकित गद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
(उत्तर सीमा 200 शब्द)

श्रेष्ठतम विचारक शंकराचार्य द्वारा अद्वैत का महान् दार्शनिक विचार प्राप्त हुआ। यह इस राष्ट्र की चिन्तन-धारा में एक क्रान्तिकारी परिवर्तन था। उपासना आवश्यक हो सकती है परन्तु ज्ञान सर्वोपरि है और ज्ञान का स्त्रोत शंकर हैं जो स्वयं शक्ति के स्वामी होने के साथ-साथ उसके भक्त हैं। अर्थात् जहाँ ज्ञान है, वहाँ भक्ति स्वतः है। उसके लिए आडम्बर तथा कर्म काण्ड की आवश्यकता नहीं है। यदि मनुष्य शिव में तल्लीन है तो उसे ज्ञान एवं भक्ति का फल एक साथ प्राप्त हो सकता है और वह स्वयं को अधिक शक्तिशाली अनुभव कर किसी भी शत्रु से विजयी संघर्ष कर सकता है। [8]

अथवा

क्या कर रहा है तू विक्रमजीत ? भूल गया तू मेवाड़ का महाराणा है और यह विद्रोहिणी स्त्री है, जिसने मेवाड़ के जन-जन को वश में कर रखा है। वह मेवाड़ के धवल कीर्तिध्वज पर धब्बे के समान है। इस तरह आदिवासियों में उठना-बैठना, लोक-लाज छोड़कर नाचना-गाना राजमहल की स्त्रियों के आचरण के विरुद्ध है और मत भूल इसके एक इशारे पर जनता विद्रोह कर सकती है। तू कहीं का नहीं रहेगा। डर, डर उस स्त्री की शक्ति से और सूरजमल के बताये कूटनीति के रास्ते पर उठाया हुआ कदम वापस मत ले। यही तेरे बचाव का एक मात्र उपाय है। [8]

(ख) 'मुक्तिपथ' नाटक की ललिता की चारित्रिक विशेषताएँ बताइये।
(उत्तर सीमा 400 शब्द) [10]

अथवा

डॉ. रवि चतुर्वेदी के 'मुक्तिपथ' नाटक का कथा सार अपने शब्दों में लिखिए। [10]

(ग) "सब कुछ नियति के निश्चित विधान के अनुसार ही होता है।" मीरा के इस कथन के बारे में समझाइये।
(उत्तर सीमा 100 शब्द) [3]

अथवा

'मुक्तिपथ' के आधार पर कर्मवती का चरित्र बताइए। [3]

3. (क) निम्नलिखित गद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
(उत्तर सीमा 200 शब्द)

मेरी शादी ..... शादी होगी। किसी जंगली जानवर से, अब सह नहीं सकता। बाबू जी सोचते क्यों नहीं कि हम लोगों के पास भी दिल होता है। हम लोग भी हसरत रखते हैं। मालूम हो जायेगा कि मैं सच कहता था या मजाक करता था। मेरी लाश बतलाएगी। ठीक है.... आज आत्महत्या करनी ही होगी, तभी मेरा पीछा छूटेगा। [8]

अथवा

तुम फिर झूठ बोल रहे हो। तुम्हारे पास इच्छा है, तीव्र लालसा है, लेकिन तुम उसे दबाते हो। तुम उठते हुए तूफान को रोकने की चेष्टा करते हो, सागर की चढ़ने वाली लहरों के आगे बाँध लगाते हो और फिर तुम्हें घमण्ड होता है। यह सोचकर कि तुमने इन्हें थाम लिया। [8]

(ख) 'एक तोला अफीम की कीमत' एकांकी के वर्ण्य – विषय को स्पष्ट करते हुए उसकी मूल भावना पर प्रकाश डालिए।
(उत्तर सीमा 400 शब्द) [10]

अथवा

'मकड़ी का जाला' एकांकी के नायक भोलानाथ की चारित्रिक विशेषताओं की समीक्षा कीजिए। [10]

(ग) उपेन्द्रनाथ 'अश्क' की एकांकी कला की विशेषताएँ बताइये।
(उत्तर सीमा 100 शब्द) [3]

अथवा

'अदृश्य व्यक्ति की आत्महत्या' में अदृश्य व्यक्ति किसका प्रतीक है ? [3]

CamScanner

4. (अ) निम्नांकित गद्यावतरण की व्याख्या कीजिए : (उत्तर सीमा 200 शब्द)

मैं सोचता कहाँ हूँ। सुनता हूँ और देखता हूँ। मैं देखता हूँ, मैं सिर्फ देखता हूँ। मैं बहुत-सी बातें देख लेता हूँ। बाद में मेरी कोशिश यह रहती है कि जो भी मैंने देखा है, कोई भी खासकर तुम न देखो और इसलिए जो मैं देख लेता हूँ– उसे फौरन तोड़ना चाहता हूँ। मैं तुमसे प्रेम जो करता हूँ ? [8]

अथवा

उनसे कह दो– प्रताप की जुबान खुलवाना, पत्थर को बोलवाना है। प्रताप के मन की बात का पता लगाना, आकाश की थाह पाना है, समुद्र की गहराई जानना है। कह दो उनसे– क्यों बेकार कोशिश कर रहे हैं ? प्रताप तड़प-तड़प कर मर जाएगा, पर माँ के लाडले बेटों का भेद नहीं बतायेगा। [8]

(ख) 'अमरजोत' एकांकी के आधार पर प्रताप सिंह की चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 400 शब्द) [10]

अथवा

एकांकी की तत्त्वों के आधार पर भुवनेश्वर की एकांकी 'ताँबे के कीड़े' की समीक्षा कीजिए। [10]

(ग) सुरेन्द्र वर्मा की एकांकी-कला की विशेषताएँ बताइए। (उत्तर सीमा 100 शब्द) [3]

अथवा

'कालपुरुष और अजन्ता की नर्तकी' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। [3]

5. (क) हिन्दी नाटक के क्रमिक विकास की समीक्षा कीजिए। (उत्तर सीमा 400 शब्द) [10]

अथवा

हिन्दी रंगमंच की परम्परा पर प्रकाश डालिए। [10]

(ख) निम्नांकित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : [3+3]
(उत्तर सीमा 100 शब्द)

(i) समस्या प्रधान एकांकी
(ii) एकांकी के तत्त्व
(iii) एकांकीकार ममता कालिया
(iv) मनोवैज्ञानिक एकांकी।

CamScanner

A-238

B.A. (Part-II) Examination, 2019

HINDI LITERATURE

Second Paper
(नाटक एवं एकांकी)

श्री जैन (पी.जी.) कॉलेज, बीकानेर

Time allowed : Three hours
Maximum Marks : 100

SECTION – A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Answer all **ten** questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

खण्ड – अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

समस्त **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर सीमा **50** शब्द) । प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है ।

SECTION – B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Answer any **five** questions out of **seven** (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

खण्ड – ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर सीमा **200** शब्द) । प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है ।

SECTION – C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Answer any **two** questions out of **four** (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

खण्ड – स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर सीमा **500** शब्द) । प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है ।

SECTION – A **(Marks : 2 × 10 = 20)**
खण्ड – अ

1. समस्त **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (उत्तर सीमा **50** शब्द)

   (i) 'अंधेर नगरी' का वर्ण्य विषय क्या है ?

   (ii) 'अंधेर नगरी चौपट राजा टके सेर भाजी टके सेर खाजा' व्यंग्य किस व्यवस्था की ओर संकेत करता है ?

CamScanner

(iii) कृष्ण द्वैपायन कौन हैं ?

(iv) 'स्त्री की कोई स्वतंत्र अस्मिता नहीं है, प्रभु ? वह भी क्षेत्र की तरह सम्पत्ति है ?' यह कथन किसका है और किसके प्रति है ?

(v) 'एक तोले अफीम की कीमत' एकांकी में समाज के किस प्रकार के लोगों का चित्रण हुआ है ?

(vi) 'बहुत बड़ा सवाल' में किस व्यवस्था पर व्यंग्य किया गया है ?

(vii) 'समरथ को नहीं दोष गुसाईं' एकांकी का वर्ण्य विषय क्या है ?

(viii) नाटक और एकांकी का अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(ix) एकांकी के भेदों का उल्लेख कीजिए ।

(x) नाटक और रंगमंच के पारस्परिक सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए ।

SECTION – B (Marks : 8 × 5 = 40)

खण्ड – ब

2. जात ले जात, टके सेर जात । एक टका दो हम अपनी जात बेचते हैं । टके के वास्ते ब्राह्मण से धोबी हो जाएँ और धोबी को ब्राह्मण कर दें । टके के वास्ते जैसी कहो वैसी व्यवस्था दें । टके के वास्ते झूठ को सच कर दें । टके के वास्ते ब्राह्मण से मुसलमान टके के वास्ते हिन्दू से क्रिस्तान । टके के वास्ते धर्म और प्रतिष्ठा दोनों बेचें, टके के वास्ते झूठी गवाही दें । टके के वास्ते पाप को पुण्य मानूँ । टके के वास्ते नीच को भी पितामह बनावैं । वेद धर्म कुल मरजादा सचाई बड़ाई सब टके सेर । लुटाय दिया अनमोल माल सब टके सेर ।

3. हाय ! मैंने गुरुजी का कहना न माना, उसी का फल है । गुरुजी ने कहा था कि ऐसे नगर में रहना न चाहिए यह मैंने न सुना ! अरे इस नगर का नाम ही अंधेर नगरी और राजा का नाम चौपट्ट है । तब बचने की कौन आशा है । अरे, इस नगर में ऐसा कोई धर्मात्मा नहीं है, जो इस फकीर को बचावे ।

4. कुरुवंश ! क्या है यह कुरुवंश ? कुरुवंश तो आपकी प्रतिज्ञा के दिन ही समाप्त हो गया था । अब वह मरा हुआ बच्चा है, जिसे बन्दरिया की तरह से चिपटाये रहिए छाती से । कुरुवंश के स्थान पर अब महामुनि व्यास की सन्तान है जिसमें सबसे योग्य विदुर है । पर आप उसे राजा नहीं बनायेंगे क्योंकि वह दासीपुत्र है ।

5. तुमने देखा होता युवा सत्यवती का वैधव्य, अम्बा का देह त्याग, अम्बिका का दुख, अम्बालिका का तिल-तिल कर गलना तो तुम समझती कि भीष्म प्रतिज्ञा ने क्या किया है निर्दोष जीवनों के साथ । यह महाभारत युद्ध ही न हुआ होता यदि भीष्म अपनी प्रतिज्ञा से चिपट न गये होते । विदुर राजा नहीं बन सका क्योंकि वह शुद्र है – क्या हो गया था इस मान्यता को जब दुर्योधन ने कर्ण को राजा बनाया ।

CamScanner

6. तो बेईमानी करना धर्म है ? सरकार को धोखा देना लोगों को लूटना धर्म है, कहाँ धर्म है ? क्या ऐसा धर्म मानने योग्य है ? मैं धर्म नहीं मानता । जी तो ऐसा करे है अपना गला घोंट लूँ । चार महीने से घरवाली बीमार है, उसकी दवा दारू को पैसा नहीं है । माँ पिछले दिनों जीने से गिर पड़ी, उसका पाँव ठीक नहीं होवे । न बखत पे रोटी न कुछ, कहाँ से लाऊँ इतना पैसा ? धर्मारथ औषधालय से दवा लाता हूँ पर फायदा तो हो । पिछले दिनों बहू की कंठी बेची (आँखों में आँसू भर आते हैं) मर जाए तो पा कटे ।

7. क्योंकि घर एक ऐसी चीज़ है जो हर आदमी की बुनियादी जरूरत है, उसकी सुख-शान्ति का आधार है । आदमी काम करता है कमाने के लिए । कमाता है आराम पाने के लिए और सही मायने में वह आराम भी तभी पा सकता है जब उसके पास अपना एक ऐसा घर हो जिसमें गर्मी हो या सर्दी, दुख हो या सुख..... एक ऐसी जगह जहाँ ..... जहाँ ..... जहाँ पर वह ..... उन लोगों के साथ ..... उन लोगों के साथ जो उसका परिवार है ..... हममें से हर एक का अपना परिवार है, ... उस परिवार के साथ ..... वह आदमी ..... वह आदमी ..... ।

8. कोई जरूरत नहीं हमें सब मालूम है । हम भी जनता का हिस्सा हैं । जनता का दर्द समझते हैं । महँगाई की मार हम पर भी है । जमाखोरों से हम भी आजिज हैं । आप लोग जानते ही हैं, कि यह सब एक साजिश है, षड्यंत्र है । विरोधी पार्टियों ने हमारी सरकार को बदनाम करने के लिए ऐसे कई जाल बिछा रखे हैं । असम, पंजाब में उपद्रव मचा रखा है । उधर बंगाल और त्रिपुरा की सरकारें केन्द्र सरकार की नीतियों को लागू करने से इनकार कर रही हैं । फिर विदेशी समस्याएँ – ईरान, इराक, अफगानिस्तान, चीन, कम्पूचिया, पाकिस्तान और अब यह इमरान खान । समस्याएँ काबू में आएँ तो महँगाई,जमाखोरी की तरफ ध्यान दिया जाए । वैसे हमारी सहानुभूति आपके साथ है ।

SECTION – C

(Marks : 20 × 2 = 40)

खण्ड – स

चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए । (उत्तर सीमा **500** शब्द)

9. 'अंधेर नगरी' नाटक तत्कालीन व्यवस्था पर करारा व्यंग्य है । इस कथन की सत्यता में अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

10. 'हस्तिनापुर' नाटक का उद्देश्य कथा कहना नहीं हमारे समय की विसंगतियों को उभारना है । कैसे ?

11. नाटक के उद्‌भव एवं विकास पर एक निबन्ध लिखिए ।

अथवा

नाटक के तत्त्वों का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत कीजिए ।

12. 'मकड़ी का जाला' एकांकी की मूल संवेदना उद्‌घाटित कीजिए ।

CamScanner

Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–205

B.A. (Part-III) DUE Part-II Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - I

(रीतिकालीन काव्य)

Time : 1½ Hours] श्री जैन (पी.जी.) कॉलेज, बीकानेर [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

CamScanner

प्रत्येक 2

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द) :

(i) प्रबन्ध-काव्य की दृष्टि से केशवदास की 'रामचन्द्रिका' का संक्षेप में मूल्यांकन कीजिए।

(ii) बिहारी के नीति-वर्णन पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

(iii) महाकवि देव के शृंगार-चित्रण की विशेषताएँ बताइए।

(iv) पद्माकर की रचनाओं के आधार पर इनकी भाषा की समीक्षा कीजिए।

(v) रीतिकाल के अन्य कवियों से भूषण की कविता किस प्रकार भिन्न है ?

(vi) घनानन्द के काव्य में चित्रित प्रेम पीर एवं विरह वेदना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(vii) सन्त कवि रज्जव की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(viii) "रीतिकाल के कवि यौवन और बसन्त के कवि थे।" इस कथन की सार्थकता को संक्षेप में सिद्ध कीजिए।

(ix) 'रीति' शब्द का तात्पर्य एवं हिन्दी साहित्य में इसका आशय स्पष्ट कीजिए।

(x) किन्हीं **दो** नायिकाओं के लक्षण और भेदों का विवेचन कीजिए।

प्रत्येक 8

खण्ड–ब

निम्नलिखित सात व्याख्यात्मक प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द) :

2. पूरण पुराण अरु पुरुष पुराण परिपूरण,
बतावैं न बतावैं और उक्ति को।
दरशन देत जिन्हें दरशन समुझै न
नेति-नेति कहैं वेद छाँड़ि आन युक्ति को।
जानि यह केशोदास अनुदिन राम-राम,
रटत रहत न डरत पुनरुक्ति को।
रूप देहि अणिमाहिं गुण देत गरिमाहि
भक्ति देहि महिमाहि नाम देहि मुक्ति को॥

3. जब ते कुँवर कान्ह रावरी कलानिधान।
कान परी बानी वाके सुजस कहानी-सी।
तब ही ते 'देव' देखी देवता सी हँसति-सी,
खीझति-सी रीझति-सी रूसति रिसानी-सी॥
छोही-सी छली सी छीनि लीनी-सी छकी-सी छीन,
जकी-सी चकी-सी लागी थकी थहरानी-सी।
बीधी-सी बधी-सी विष बूड़ी-सी विमोहित सी,
बैठी बाल बकति बिलोकति बिकानी-सी॥

4. दोष सौं मलीन, गुन-हीन कविता है, तौ पै,
कीने अरबीन परबीन कोई सुनि है।
बिन ही सिखाए सब सीखि हैं सुमति जौ पै,
सरस अनूप रस रूप यामैं धुनि है॥
दूषन कौं करि कै, कवित्त बिन भूषण कौं,
जो करे प्रसिद्ध ऐसौ कौन सुर मुनि है।
रामैं अरचत सेनापति चरचत दोऊ,
कवित्त रचत यातैं पद चुनि-चुनि है॥

5. वेद राखे बिदित पुरान परसिद्ध राखे,
राम नाम राख्यौ अति रसना सुधर में।
हिंदुन की चोटी, रोटी राखी है सिपाहिन की,
कोंधें में जनेऊ राख्यो माला राखी गर में॥
मीड़ि राखे मुगल मनोडि राखे पात साह,
बैरी पीसि राखे वरदान राख्यो कर में।
राजन की हद्द राखी तेगबल सिवराज,
देव राखे देवल स्वधर्म राख्यो घर में॥

6. वहै मुसक्यानि वहै मृदु बतरानि, वहै,
लड़की ली बानि आनि डर मैं अरति है।
वहै गति लेन, औ बजावनि ललित बैन,
वहै हँसि दैन, हियरा तैं न टरति है॥
वहै चतुराई सों चिताई चाहिबे की छवि,
वहै छैलताई न छिनक विसरति है।
आनन्द-निधान प्रान-प्रीतम सुजान जू की,
सुधि सब भाँतिन सौं बेसुधि करति है॥

7. रही न रानी कैकयी, अमर भई यह बात।
कौन पुरबुले पाप ते, वन पठयो जगतात॥
वन पठयो जगतात, कन्त सुरलोक सिधारेउ।
जोहि सुतु काजे मरेउ राउ, नहिं वदन निहारेउ॥
कह गिरिधर कविराय भई यह अकथ कहानी।
यश-अपयश रहि गयउ रही नहिं केकयि रानी॥

8. आरती तुम ऊपरि तेरी मैं कछु नाहिं कहा हूँ मेरी॥
भाव भगति सब तेरी दीन्हीं, ताकरि सेव तुम्हारी कीन्हीं॥
मन चित सुरति शब्द सब तेरा, सो तुम लै तुमही पर फेरा॥
आतम उपजि सोंज सब तुमसे, सेवा शक्ति नाहिं कछु हमसे॥
तू आपेहि प्राणपति पूजा, रज्जब नाहिं करन को दूजा॥

खण्ड–स

प्रत्येक 20

निम्नलिखित चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द) :

9. ''केशव ने काव्य रचना हृदय की प्रेरणा से नहीं, अपितु पाण्डित्य प्रदर्शन के उद्देश्य से की है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

10. ''सेनापति ऋतुवर्णन करने में अग्रणी थे।'' उनके ऋतु वर्णन की विशेषताएँ बताते हुए स्पष्ट कीजिए।

11. गिरिधर कविराय की काव्यगत विशेषताओं का सोदाहरण विवेचना कीजिए।

12. रीतिकालीन काव्यों की सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिन्दी के आचार्यों द्वारा प्रतिपादित काव्य-प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।

CamScanner

Roll No : .....

Total No. of Questions : 12] [Total No. of Printed Pages : 4

A–225

B.A. (Part-III) DUE Part-II Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - II

(नाटक एवं एकांकी)

Time : 1½ Hours] श्री जैन (पी.जी.) कॉलेज, बीकानेर [*Maximum Marks : 100*

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

CamScanner

Section–A

(खण्ड–अ)

प्रत्येक 2

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द) :

(i) 'अंधेर नगरी' नाटक का उद्देश्य क्या है ?

(ii) सिपाही 'गोबर्धन दास' को फाँसी क्यों देना चाहते थे ?

(iii) ''स्त्री जैसे कोई धन सम्पदा है जिसे कोई भी बलपूर्वक जीत सकता है।'' अम्बिका ने यह कथन किस सन्दर्भ में कहा ?

(iv) शुभा के अनुसार वह कौनसा उपाय था जिससे उत्तराधिकार का विवाद और महाभारत का युद्ध होता ही नहीं ?

(v) ''साहब को जुकाम है'' एकांकी की मुख्य समस्या क्या है ?

(vi) 'मकड़ी का जाला' एकांकी के मुख्य पात्र भोलानाथ की आत्म स्वीकृति क्या थी ?

(vii) 'ताम्बे के कीड़े' एकांकी की कथावस्तु का आधार क्या है ?

(viii) 'कैक्टस और कमल' एकांकी में किस त्रासदी का चित्रण है ?

(ix) समस्या नाटक की परिभाषा लिखिए।

(x) नाटक में 'अभिनेयता' तत्व को स्पष्ट कीजिए।

Section–B

(खण्ड–ब)

प्रत्येक 8

2. ''तो बच्चा, ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर खाजा बिकता है। मैं तो इस नगर में अब एक क्षण भी नहीं रहूँगा। देख, मेरी बात मान, नहीं तो पीछे पछताएगा। मैं तो जाता हूँ, पर इतना कहे जाता हूँ कि कभी संकट पड़े तो याद करना।

CamScanner

3. तुम सौभाग्यशाली हो कुन्ती कि तुम्हें यह स्वतन्त्रता मिली। इसलिए तुम्हारा हर पुत्र अपने में पूर्ण है। लेकिन कितनी स्त्रियों को मिलता है यह सौभाग्य ? अनचाहा समर्पण कितना पीड़ादायक है, यह कौन जानता है ? बीज में ही पीड़ा हो तो फल सुखद कैसे होगा ? पारिवारिक तनाव, सामाजिक संघर्ष सब इसी के परिणाम हैं अधिकांशतः।

4. मर्यादा को ही तो स्पष्ट कर लेना चाहती हूँ। आप तो धर्मज्ञ हैं। महामुनि, व्यास ऋषि पाराशर के पुत्र होने के नाते द्विज है तो विदुर भी महामुनि का पुत्र होने के कारण द्विज है। विदुर दासीपुत्र होने के नाते शूद्र है तो महामुनि व्यास भी शूद्र हैं क्योंकि ..... उनकी माता निषाद कन्या थीं, शूद्र थीं।

5. जीवन! कितना बड़ा जीवन! दुख-दर्द से भरा हुआ। पढ़ने की चिंता, कमाने की चिन्ता, स्त्री की चिन्ता, प्रेम की चिन्ता ..... (चौंककर) ओह, मैं कहाँ की बात ले बैठा। हाँ, मैं आपको मकान भिजवा दूँ।

6. मेरा मतलब है कि आबादी बढ़ जाने से शहर बी ग्रेड से ए ग्रेड हो जाते हैं, लेकिन जहाँ तक हम लोगों का ताल्लुक है ..... कहना चाहिए कि लो ग्रेड वर्कर्ज की जिन्दगी लो ग्रेड से लोअर ग्रेड होती जाती है, इसलिए हमारे लिए जरूरी है कि ..... और हमें सिर्फ प्रस्ताव ही पास नहीं करना, उसके लिए, उसे मनवाने के लिए पूरी कोशिश भी करनी है, एक डेढ़ साल के अन्दर ..... जैसे इतनी कॉलोनीज हैं, उसी तरह एक निम्न स्तर गृह निर्माण योजना के अन्तर्गत .....।

7. तुम्हारी दुनिया करती होगी ! लेकिन मैं वैसी असत्य दुनिया में नहीं रहती ..... जो बाहर-भीतर दो टुकड़ों में बँटी हो। बाहर कुछ। भीतर कुछ। जहाँ कुछ विष जैसा घुटा-घुटा हो। जहाँ बुजदिल बसते हों। जहाँ।

8. तो मुझे यहाँ घसीटकर ले आये हैं मेरे मुनाफे के दुश्मन। मैंने तुझे इसीलिए सात तहखानों के अन्दर कितना सहेजकर रखा था कि इन भूखे भिखमंगों की नजर तुझ पर न पड़े। इस तरह तू रोज-रोज दरवाजे से निकलता रहा तो कीमतें गिर जायेंगी कि मैं तो बरबाद हो जाऊँगा। तेरी सेवा के लिए दर्जनों चौकीदार रखे थे और तू है कि .....

Section–C

प्रत्येक 20

(खण्ड–स)

चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द) :

9. 'हस्तिनापुर' नाटक की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए।

10. 'अदृश्य व्यक्ति की आत्महत्या' एकांकी कथ्य एवं शिल्प की दृष्टि से नवीन प्रयोग है। स्पष्ट कीजिए।

11. 'समरथ को नहीं दोष गुसाईं' एकांकी का कथासार व उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

12. भारतेन्दुयुगीन नाटकों का परिचय देते हुए उनकी विशेषताएँ बताइए।

CamScanner

Roll No : .....

Total No. of Questions : **13**] [Total No. of Printed Pages : **4**

UGA–247

B.A. (Part-II) Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - I

(रीतिकालीन काव्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : 100*

श्री जैन (पी.जी.) कॉलेज, बीकानेर

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– आठ में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)–

1. (i) केशवदास रचित किन्हीं **चार** ग्रन्थों के नाम लिखिए।

   (ii) "सोहत ओढ़े पीत पट स्याम सलोने गात।" यह पंक्ति किस कवि की है ?

   (iii) 'पद्माकर' के काव्य में प्रकृति-चित्रण को समझाइए।

CamScanner

(iv) 'भूषण' वीर रस के कवि हैं। स्पष्ट कीजिए।

(v) कवि 'देव' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(vi) रीतिकाल का 'शृंगार काल' नाम किसने दिया ? समझाइए।

(vii) रीतिमुक्त काव्यधारा के कवियों के नाम लिखिए।

(viii) 'मन की प्यास प्रचंड न जाई' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ix) नायिका के किन्हीं **चार** भेदों को स्पष्ट कीजिए।

(x) कुण्डलिया छन्द के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

खण्ड–ब

नोट :– निम्नलिखित आठ व्याख्या प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द) :

2. रे कपि कौन तू ? अक्ष को घातक दूत बली रघुनन्दन जू को।
कौ रघुनन्दन रे ? त्रिसिरा-खर-दूषन-दूषन भूषण भू को।
सागर कैसे तर्‌यो ? जस गो-पद काज कहा ? सिय चोरहि देखो।
कैसे बँधाय ? जू सुन्दरि तेरी छुई दृग सोवत, पातक लेखो॥

3. या अनुरागी चित्त की, गति समुझै नहिं कोय।
ज्यों-ज्यों बूडै स्याम रंग, त्यों-त्यों उज्ज्वल होय॥
इत आवति चलि जाति उत, चली छ-सातक हाथ।
चढ़ी हिडौरें सी रहै, लगीं उसासनु साथ॥
नहिं परागु, नहिं मधुर मधु, नहिं विकास इहि काल।
अली कली ही सों बँध्यो, आगे कौन हवाल॥

4. साँसुन ही सों समीर गयो,
अरु आँसुन ही सब नीर गयो ढरि।
पौन गयो गुम लै आपनों अरु,
भूमि गई तनु की तनुता करि॥

'देव' जियै मिलि बेई की आस,

कै आसहू पास अकास रह्यो भरि।

जा दिन तें मुख फेरि हरे हँसी,

हेरि हियो जू लियो हरि जू हरि॥

5. बरन-बरन तरु फूले उपवन-वन,

सोई चतूरंग संग दल लहियतु है।

बन्दी जिमि बोलत बिरद बीर कोकिल है,

गुञ्जत मधुप गान गुन गहियतु है॥

आवै आस-पास पुहुपन की सु-बास सोई,

सोधें के सुगन्ध माँझ सने रहियतु है।

सोभा को समाजु, सेनापति, सुख-साजु-आजु,

आवत बसत रितु-राजु कहियतु है॥

6. रावरे रूप की रीति अनूप, नयो-नयो लागत ज्यौं-ज्यौं निहारियौं

त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी, अघानि कहूँ नहिं आनि तिहारियौं॥

एक ही जीव हुतौ सु तौ वारयौ, सुजान सकोच औ सोच सहारियै।

रोकी रहै न दहै, घनानंद, बावरी रीझ के हाथनि हारियै॥

7. गुण के गाहक सहस नर, बिन गुण लहै न कोय।

जैसे कागा कोकिला, शब्द सुनै सब कोय॥

शब्द सुनै सब कोय, कोकिला सबै सुहावन।

दोऊ का इक रंग काग सब भये अपावन॥

कह गिरिधर कविराय सुनौ हो ठाकुर मन के।

बिन गुण लहै न कोय सहस नर गाहक गुन के॥

8. संतो मगन भया मन मेरा।

अहनिशि सदा एकरस लागा, दिया दरीबै डेरा॥

कुल मर्याद मेंड सब भागी, बैठा भाठी नेरा।

जाति-पाँति कछु समझौ नाहीं, किसकूँ करै परेरा॥

रस की प्यास आस नहिं औरा, इहि मन किया बसेरा।

ल्याव ल्याव याही लय लागी, पीवै फूल घनेरा॥

सो रस माँग्या मिलै न काहू, सिर साटै बहुतेरा।

जन रज्जब तन-मन दै लीया, होय धणी का चोरा॥

9. वेद राखे विदित पुरान परसिद्ध राखे,

राम नाम राख्यौ अति रसना सुधर में।

हिंदुन की चोटी, रोटी राखी है सिपाहिन की,

कोंधे में जनेऊ राख्यो माला राखी गर में॥

मीडि राखे मुगल मरोडि राखे पातसाह,

बैरी पीसि राखे बरदान राख्यौ कर में।

राजन की हद राखी तेग बल सिवराज॥

देव राखे देवल स्वधर्म राख्यो घर में॥

खण्ड–स

नोट :– निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द) :

10. "केशव कठिन काव्य के प्रेत है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

11. "सेनापति को प्रकृति-चित्रण में विशेष प्रसिद्धि मिली है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

12. "घनानंद प्रेम की पीर के कवि थे।" इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

13. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

अथवा

काव्य प्रयोजन से क्या तात्पर्य है ? भारतीय काव्यशास्त्र के अनुसार काव्य प्रयोजनों का विवेचन कीजिए।

CamScanner

Roll No : ....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

UGA–248

B.A. (Part–II) Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - II

(नाटक एवं एकांकी)

Time : 1½ Hours श्री जैन (पी.जी.) कॉलेज, बीकानेर [*Maximum Marks : 100*

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

नोट :– सभी दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (i) 'एक तोला अफीम की कीमत' एकांकी की मूल भावना पर प्रकाश डालिए।

(ii) पर्दे के पीछे एकांकी में आये पात्र घीसालाल की मनोव्यथा को वर्णित कीजिए।

CamScanner

(iii) 'मकड़ी का जाला' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(iv) "कौनसे महाराज के साथ किया भोजन ?" शुभा के इस प्रश्न को समझाइए।

(v) गांधारी और धृतराष्ट्र वन क्यों जाना चाहते थे ? समझाइए।

(vi) ''स्त्री जैसे कोई धन-सम्पदा है जिसे कोई भी बलपूर्वक जीत सकता है।'' यह कथन किसका है और किसे इंगित किया गया है ?

(vii) 'अंधेर नगरी' के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

(viii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के दो नाटकों के नाम लिखिए।

(ix) नाटक एकांकी के अन्तर को समझाइए।

(x) ''रंगमंच नाटक से भिन्न है'' स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ब

2. उनकी निष्ठा को ओछा नहीं कर रही। कई बार व्यक्ति अपनी परिस्थितियों के कारण प्रेम का प्रत्युत्तर नहीं दे पाता। लेकिन जो उसे प्रेम करता है उसके लिए, उसकी सन्तति के लिए एक कोमल भाव तो बना ही रहता है मन में। यह अस्वाभाविक नहीं।

3. लोक निन्दा के भय से। सत्यवती और भीष्म का दबाव भी था–मुनिवर के शाप का भय भी। स्त्री चारों ओर से कितनी त्रस्त रहती है, यह केवल हम जान सकती हैं। पुरुष इस भय को नहीं समझ पाते–कुरुवंश के पुरुष तो बिल्कुल नहीं जो स्त्री को उपभोग की वस्तु मानते रहे–अधिक से अधिक अपना क्षेत्र।

4. दुहाई परमेश्वर की, अरे मैं नाहक मारा जाता हूँ। अरे यहाँ बड़ा ही अंधेर है, अरे गुरुजी महाराज का कहा मैंने न माना उसका फल मुझको भोगना पड़ा गुरुजी कहाँ हो आओ, मेरे प्राण बचाओ, अरे मैं बेअपराध मारा जाता हूँ।

5. नारायण दास ने इनसे कहा था कि यहाँ सब चीज टके सेर मिलती है, तो मैंने इसकी बात का विश्वास नहीं किया। बच्चा, यह कौनसी नगरी है और इसका कौनसा राजा है, जहाँ टके सेर भाजी और टके ही सेर खाजा है ?

CamScanner

6. मुझे आपसे बहुत उम्मीद है। आपके कैरियर और सर्टिफिकेट्स को देखते हुए ही मैंने आपको रखा है। मैं नए आदमियों को मौका देना चाहता हूँ। उनमें जोश होता है काम के लिए।

7. घर एक ऐसी चीज है जो हर आदमी की बुनियादी जरूरत है, उसकी सुख-शांति का आधार है, आदमी काम करता है कमाने के लिए। कमाता है आराम पाने के लिए और सही मायने में आराम वह तभी पा सकता है जब उसके पास अपना एक घर हो।

8. मैं ऊब गई हूँ। मेरा मन उचट गया। मैं सारा संसार मथूंगी, अपने अंदर बाहर सब मथूंगी। लेकिन चुपके-से, जैसे किसी को मालूम न हो (कुछ रुककर जैसे किसी ने कुछ कहा) नहीं मेरी हँसी में न सूरज है न चाँद। मुझे यह सब सोचने का वक्त नहीं है। मुझे बहुत कुछ करना है।

खण्ड-स

नोट :- चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

9. 'हस्तिनापुर' नाटक के आधार पर अम्बिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

10. 'अंधेर नगरी' में परिस्थितियों पर करारा व्यंग्य किया गया है। विवेचित कीजिए।

11. 'कालपुरुष और अजन्ता की नर्तकी' एकांकी के कथानक को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं को समझाइए।

12. नाटक के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

नाटक के तत्त्वों को समझाइए।

CamScanner

Roll No. : .....

Total No. of Questions : **13**]

[Total No. of Printed Pages : **4**

श्री जैन (पी.जी.) कॉलेज, बीकानेर

A–226

B.A. (Part-II) Examination, 2022

HINDI LITERATURE

Paper - I

(रीतिकालीन काव्य)

Time : 3 Hours]

[*Maximum Marks : 100*

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– आठ में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द) :

   (i) केशव रचित **दो** काव्य-संवाद लिखिए।

   (ii) "जा तन की झाँई परै, स्यामु हरित दुति होय" पंक्ति के तीन अर्थ लिखिए।

CamScanner

(iii) "मन की प्यास प्रचण्ड न जाई" रज्जब ने ऐसा क्यों कहा है ?

(iv) रीतिकाल को 'कलाकाल' नाम किसने दिया ?

(v) रीतिबद्ध काव्यधारा के **चार** कवियों के नाम बताइए।

(vi) रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराएँ कौन-कौनसी हैं ?

(vii) कवि भूषण ने किन **दो** राजाओं की प्रशंसा लिखी है ?

(viii) दोहा छन्द के लक्षण सोदाहरण लिखिए।

(ix) काव्य हेतु कौन-कौनसे होते हैं ? नाम बताइए।

(x) सेनापति की **दो** रचनाओं के नाम बताइए।

खण्ड-ब

नोट :- निम्नलिखित आठ पदों में से किन्हीं **पाँच** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द) :

2. बानी जगरानी की उदारता बखानी जाय

ऐसी मति कहो धौं उदार कौन की भई।

देवता प्रसिद्ध सिद्ध ऋषिराज तपवृद्ध

कहि कहि हारे सब कहि न केहू लई।

भावी भूत वर्तमान जगत बखानत है

केशोदास केहू ना बखानि काहू पै गई।

वर्णें पति चार मुख, पूत वर्णें पाँच मुख

नाति वर्णें षट मुख तदपि नई नई।

3. मेरी भव बाधा हरो, राधा नागरि सोय।

जा तन की झाँई परै, स्यामु हरित दुति होय॥

CamScanner

तो पर वारौं उर बसी, सुन राधिके सुजान।

तू मोहन के उर बसी, ह्वै उरबसी समान॥

बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय।

सौंह करै भौंहनि हँसै, दैन कहे नटि जाय॥

4. सपने में देखन ही सुनि, नाचत नन्द यसोमति को नट।

वा मुसक्याई के भाव बताई के, मेरोई खेचि खरो पकरो पट।

तौ जागि गाय रंभाई उठी, कवि देव वधूनि मथ्यो दधि को घट।

चौंकि परी तब कान्ह कहूँ न, कदम्बन कुंजन कालिन्दी को तट।

5. राम को नाम जपो निसि बासर, राम ही को इक आसरो भारो।

भूलो न भूल की भीरन में, 'पद्माकर' चाहि चितौनि को चारो।

ज्यों जल में जलजात के पात, रहै जग में त्यों जहान तें न्यारो।

आपने सो सुख और दुःख दौरि जु और को देखै सु देखन हारो।

6. ऊँचे घोर मंदर के अन्दर रहनवारी, ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहाती हैं।

कंद मूल भोग करैं, कंद मूल भोग करैं, तीनि बेर खाती ते वै तीनि बेर खाती हैं।

भूषन सिथिल अंग, भूषण सिथिल अंग, नगन जड़ाती ते वै नगन जड़ाती हैं।

भूषन भनत शिवराज वीर तेरे त्रास, बिजन डुलाती ते वै बिजन डुलाती हैं।

7. अति सूधो सनेह को मारग है, जहँ नेकु सयानप बाँक नहीं।

तहाँ साँचे चले तजि आपुनपौं, झिझकैं कपटी जे निसांक नहीं।

घन आनन्द प्यारे सुजान सुनो, इत एक ते दूसरो आँक नहीं।

तुम कौन धौं पाटी पढ़े हो लला, मन लैहु पै देहु छटांक नहीं।

8. बीती ताहि बिसारि दे, आगे की सुधि लेइ।

जो बनि आवै सहज में, ताही में चित्त देइ।

ताही में चित्त देइ बात जोई बनि आवै।

दुर्जन हँसे न कोय, चित्त में खता न पावै।

कह गिरधर कविराय, यहै करु मन परतीती।

आगे को सुख होय, समझु बीती सो बीती॥

9. गुरु प्रसाद अगम गति पावै, पलटै जीव ब्रह्म ह्वै जावै।

हरि भृंगी गुरु डंक समान, मारत तन में भयेजु प्राण।

चन्दन राम गुरु गति बास, भैदे नहिं बना दास।

ब्रह्म सूर गुरु किरण प्रकास, रज्जब जीव जल सरिस अकास।

खण्ड–स

नोट :– निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द) :

10. "बिहारी सतसई में शृंगार, भक्ति और नीति की त्रिवेणी प्रवाहित हुई है।" इस कथन की युक्तियुक्त पुष्टि कीजिए।

11. सिद्ध कीजिए कि भूषण वीर रस के अप्रतिम कवि हैं।

12. रज्जबदास जी की भक्ति भावना पर एक निबन्ध लिखिए।

13. रीतिकाल की परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

काव्य हेतु किसे कहते हैं ? प्रमुख काव्य हेतुओं को सोदाहरण समझाइए।

CamScanner

Roll No. : .....

Total No. of Questions : 12] [Total No. of Printed Pages : 3

श्री जैन (पी.जी.) कॉलेज, बीकानेर

A–230

B.A. (Part–II) Examination, 2022

HINDI LITERATURE

Paper - II

(नाटक एवं एकांकी)

Time : 3 Hours] [*Maximum Marks : 100*

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

   (i) 'अंधेर नगरी' नाटक के किन्हीं **चार** पात्रों के नाम बताइए।

   (ii) 'अंधेर नगरी' नाटक में कुल कितने दृश्य हैं ?

(iii) 'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक के रचयिता कौन हैं ?

(iv) 'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक में नीमा कौन है ?

(v) 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में आये संवादों की कोई **दो** विशेषताएँ बताइए।

(vi) 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का प्रतिपाद्य बताइए।

(vii) 'साहब को जुकाम है' एकांकी के रचनाकार कौन हैं ?

(viii) 'बहुत बड़ा सवाल' एकांकी में कुल कितने पात्र हैं ?

(ix) उद्‌भव एवं विकास की दृष्टि से हिन्दी नाटकों को कितने युगों में बाँटा गया है ? युगों के नाम बताइए।

(x) एकांकी के तत्वों के नाम लिखिए।

खण्ड–ब

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** व्याख्याओं को हल कीजिए :

2. बच्चा नारायणदास ने मुझसे कहा था कि यहाँ सब चीज टके सेर मिलती है, तो मैंने इसकी बात का विश्वास नहीं किया। बच्चा, यह कौनसी नगरी है और इसका कौनसा राजा है, जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर खाजा है ?

3. सोना, अगर तुमने उस मासूम की पीठ देखी होती, जिसे चाबुक से छलनी कर डाला गया था, तो तुम्हें इन पाखंडियों से डर नहीं लगता। इनके कारण लोगों का जीवन नरक बन गया है। (लापरवाही से) तुम चिन्ता नहीं करो। ये बातें तो होती ही रहती हैं।

4. "कभी सोचा ? इस घर में अकेले कौन जिया है ? तुम, केवल तुम। हम लोगों को कभी अपने अस्तित्व की जानकारी ही नहीं हुई। (विराम) तुम तय करते रहे कि हम लोग कैसे जियें। और हम लोग उसी तरह जीते रहे। लेकिन अब यह नहीं होगा।"

5. मैं जानता था। आपकी उखड़ी-उखड़ी-सी बातें। नाम देने से इन्कार करना, वगैरह, वगैरह। कुछ इस ढंग से आपने कहा कि मुझे शक हो गया। अफीम खाने के लिए अनुभव की जरूरत है। कच्चा आदमी खा ही नहीं सकता, मैं जानता हूँ। मैंने आपको हर्रे की गोली दे दी, आपने ले ली। अफीम और हर्रे में कोई तमीज ही नहीं।

CamScanner

6. सुना रहा हूँ, मैं। मैं वही हूँ जो एक दिन तुम थे। मैं तुम ही हूँ और इसलिए मेरी बातें तुम्हें सुननी पड़ेंगी। भोलानाथ, तुम बच नहीं सकते, मकड़ी का जाला तन रहा है, और तुम उसमें बेबसी से टँग रहे हो। कीड़े!

7. मैं कोई पर्सनल बातचीत बीच में नहीं ला रहा। मेरा मतलब सिर्फ इतना है कि हमें इस मुहावरे की जगह कोई दूसरा मुहावरा इस्तेमाल करना चाहिए जो कि लेडीज एंड जेंटलमेन की तरह न्यूट्रल हो।

8. हाय, वक्त की ऐसी तैसी। सात पुश्तों का जादू जो मुहईया न कर पाया, वह बालिश्त भर के छोकरे ने कर दिखाया। खैर, कुछ तो हुआ। गल्ला तो ले आया और तमाशबीनों के चेहरे पर हँसी भी आयी। तो लड़के खोल दे बोरे को और बाँट दे तमाशबीनों में।

खण्ड–स

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

9. 'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक की समीक्षा नाट्य तत्वों के आधार पर कीजिए।

10. "'अदृश्य व्यक्ति की आत्महत्या' एकांकी में पात्र-योजना की दृष्टि से नवीन शिल्प का प्रयोग विपिन कुमार अग्रवाल ने किया है।"–इस कथन का युक्ति-संगत विश्लेषण कीजिए।

11. "कथाहीनता के बावजूद 'तांबे के कीड़े' एकांकी प्रभावित करता है।" एकांकी की विशेषताएँ बताते हुए प्रमाणित कीजिए।

12. हिन्दी नाटक के विकास-क्रम को स्पष्ट करते हुए भारतेन्दुयुगीन नाटकों की विशेषताएँ बताइए।